बरेली, सोमवार
7 नवंबर, 2022

दैनिक जागरण
Dev Deepawali

PAGE NO 06, MIDDLE

बुजुर्गों की भी चाहत, कोई उन्हें कहे हाय हैंडसम

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में इंद्रधनुष रंग महोत्सव का रविवार को समापन हो गया। अंतिम दिन कोलकाता के यूनिवर्सल लिटिल थिएटर की ओर से नाटक हाय हैंडसम का मंचन हुआ। हास्य बिखेरता यह नाटक परिवार और बुजुर्ग लोगों की समस्या उठाते हुए ट्रेजडी पर समाप्त होता है। नाटक एक मिलिट्री अफसर कर्नल कपूर की फैमिली की कहानी है, जो विधुर हैं।

रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार ● सौजन्य से एसआरएमएस

मंचन में दिखाया कि उनका एक बेटा है, जिसने माडलिंग करने वाली एक लड़की मंदा से प्रेम विवाह किया। मंदा अपने करियर पर ध्यान देना चाहती है, लेकिन कर्नल कपूर चाहते है कि वह अपना परिवार संभाले। मंदा की मां सीता देवी भी विधवा हैं। वो भी मंदा की आदतों से परेशान रहती हैं। कपूर साहब और सीता देवी दोनों की हालत एक जैसी है। बच्चों का अपने मां-बाप की ओर ध्यान नहीं देने से दोनों अकेले हो गए हैं। सीता और कपूर में एक दूसरे की तकलीफ देखकर सहानुभूति जन्म लेती है। दोनों एक दूसरे की जरूरत को समझ कर शादी कर लेते हैं। दोनों की शादी को बच्चे स्वीकार नहीं करते। सिर्फ घर का नौकर कमाल इसे सही कदम बताता है। बिथरी विधायक डा.राघवेंद्र शर्मा, शायर वसीम बरेलवी, अपर आयुक्त अरुण कुमार, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, डा. एसबी गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा. रीटा शर्मा, इंदू परडल आदि रहीं।